मछली पालन विभाग जिला गरियाबंद (छ.ग.)

विभागीय योजनाओं की जानकारी/उपलब्धि

वर्ष 2014–15

मछली पालन विभाग, जिला – गरियाबंद (छ.ग.)

1. जलक्षेत्र

ग्रामीण तालाब – जिले में उपलब्ध कुल ग्रामीण तालाब जिसका जलक्षेत्र 1910.00 हेक्टर है जिसमें से 1661 हेक्टर जलक्षेत्र को मत्स्य पालन अतर्गत विकसित किया गया है जिसका प्रतिषत 86.96 है ।

सिंचाई जलाशय– जिले में सिंचाई जलाषय का कुल जलक्षेत्र 2627 हेक्टर है जिसमें से 2569 हेक्टर जलक्षेत्र को मत्स्य पालन अंतर्गत विकसित किया गया है । जिसका प्रतिषत 97 है ।

2. मछली बीज उत्पादन – जिले में 01 हेचरी एवं 02 प्रक्षेत्र उपलब्ध है । वर्श 2014–15 में 760 लाख स्पॉन एवं 60 लाख फ्राई मत्स्य बीज उत्पादन किया गया है ।

3. मत्स्य बीज संचयन – ग्रामीण एवं सिंचाई जलाषयों में दिए गए मत्स्य बीज संचयन के लक्ष्य 228.16 के विरूद्ध 233.16 लाख फ्राई का संचयन किया गया है ।

4. मत्स्योत्पादन – ग्रामीण, सिंचाई जलाषयों एवं नदियों में दिए गए मत्स्य उत्पादन का लक्ष्य 10209 के विरूद्ध 10225 मी.टन मत्स्य उत्पादन लिया गया है ।

5. बैंक फायनेंस – बैंक फायनेंस हेतु दिए गए लक्ष्य 10.00 लाख के विरूद्ध 13.82 लाख का ऋण वितरण कराया गया है ।

6. मछुआ प्रशिक्षण – जिले में 230 मछुआरों को विभागीय प्रषिक्षण दिया गया है ।

7. सहकारी समितियों को अनुदान – जिले के 08 मछुआ सहकारी समितियों को 580000/– का अनुदान चेक के माध्यम से दिया गया है ।

8. अंगुलिका संचयन – जिले के 500 कृशकों को राषि रू. 2000/– प्रति कृशक के मान से मत्स्य अंगुलिका प्रदाय कर संचयन कराया गया है ।

9. जाल वितरण – जिले में 50 हितग्राहियों कों राषि रू. 10000/– प्रति हितग्राही के मान से जाल वितरण किया गया है ।

10. फुटकर मत्स्य विकय – जिले में 140 हितग्राहियों को राषि रूपये 4500/– प्रति हितग्राही के मान से आईस बाक्स वितरण किया गया है ।

11. निशुल्क दुर्घटना बीमा – जिले में 6400 मछुआरों का निषुल्क दुर्घटना बीमा कराया गया है ।

12. परिपूरक आहार वितरण – जिले में 50 हितग्राहियों को राषि रूपये 10000/– प्रति हितग्राही के मान से परिपूरक आहार वितरण किया गया हैं ।

13. सहकारी समितियों को जाल वितरण – जिले में 3 सहकारी समितियों को राषि रूपये 1.00 लाख प्रति समिति के मान से जाल वितरण किया गया है ।

14. सेविंग कम रिलीफ – जिले में 400 मछुआरों को राषि रूपये 1800/– प्रति मछुआरा के मान से अल्प बचत–सह–राहत योजना के तहत् लाभांवित किया गया है ।

15. लोक सुराज अभियान – लोक सुराज अभियान के अंतर्गत हितग्राहियों को जाल, आईस बाक्स वितरण कराया जा रहा है तथा निषुल्क दुर्घटना बीमा कराया जा रहा है ।

सहायक संचालक मछली पालन
जिला–गरियाबंद (छ.ग.)